नवभारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

जल संकट : भविष्य की तैयारी अभी से करें

देश के प्रमुख जलाशयों में तेजी से घटता जल स्तर केवल मौसमी चिंता नहीं, बल्कि भविष्य के जल सुरक्षा संकट की चेतावनी है. मानसून का इंतजार जरूरी है, लेकिन उससे भी अधिक जरूरी है जल संरक्षण और प्रबंधन को राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाना. केंद्रीय जल आयोग के ताजा आंकड़े बताते हैं कि मई के शुरुआती दिनों से लेकर महीने के अंत तक देश के 166 प्रमुख जलाशयों का जल भंडारण 36.41 प्रतिशत से घटकर 24.75 प्रतिशत पर पहुंच गया है. लगभग 21.4 बिलियन क्यूबिक मीटर पानी का कम हो जाना केवल एक आंकड़ा नहीं, बल्कि आने वाले समय में जल उपलब्धता को लेकर खड़े हो रहे संकट का संकेत है. ऐसे समय में जब मौसम विभाग अल नीनो के प्रभाव के कारण सूखे की आशंका जता रहा है, जलाशयों की यह स्थिति और अधिक चिंताजनक हो जाती है.

भारत की जल व्यवस्था आज भी काफी हद तक मानसून पर निर्भर है. हर वर्ष गर्मियों के अंत तक जलाशयों का स्तर घटता है, लेकिन इस बार गिरावट की रफ्तार अपेक्षाकृत अधिक है. विशेष रूप से दक्षिण भारत में स्थिति गंभीर बनी हुई है. वहां जलाशयों में उपलब्ध पानी कुल क्षमता के केवल 17.55 प्रतिशत तक सिमट गया है. कर्नाटक और आंध्र प्रदेश सहित कई राज्यों में पेयजल और सिंचाई दोनों क्षेत्रों में दबाव बढ़ने की आशंका है. यह स्थिति बताती है कि जल संकट अब केवल किसी एक क्षेत्र की समस्या नहीं रह गया, बल्कि राष्ट्रीय चुनौती का रूप ले रहा है.

सबसे अधिक चिंता का विषय यह है कि गंभीर संकट वाले बांधों की संख्या लगातार बढ़ रही है. मई की शुरुआत में जहां 11 बांध गंभीर श्रेणी में थे, वहीं महीने के अंत तक यह संख्या बढ़कर 15 हो गई. महाराष्ट्र का भीमा उज्जैनी बांध और बिहार का चंदन बांध पूरी तरह सूखे रहने की स्थिति में पहुंच चुके हैं. अनेक छोटे जलग्रहण क्षेत्रों में भी पानी का स्तर तेजी से घटा है. यह स्थिति केवल मौजूदा गर्मी का परिणाम नहीं, बल्कि लंबे समय से जल संरक्षण और जल प्रबंधन के क्षेत्र में बनी कमियों की ओर भी संकेत करती है. जल संकट का प्रभाव केवल पेयजल तक सीमित नहीं रहता. इसका सीधा असर कृषि उत्पादन, उद्योगों और ऊर्जा क्षेत्र पर भी पड़ता है. देश की कई जल विद्युत परियोजनाएं जलाशयों पर निर्भर हैं. जल स्तर में गिरावट से बिजली उत्पादन प्रभावित होने का खतरा बढ़ जाता है. यदि मानसून सामान्य से कमजोर रहता है, तो इसका असर खाद्य उत्पादन से लेकर आर्थिक गतिविधियों तक महसूस किया जा सकता है.

हालांकि एक सकारात्मक पक्ष यह भी है कि वर्तमान जल भंडारण पिछले वर्ष की समान अवधि और पिछले दस वर्षों के औसत से कुछ बेहतर है. लेकिन यह राहत स्थायी नहीं मानी जा सकती. जलवायु परिवर्तन के कारण मौसम का स्वरूप तेजी से बदल रहा है. कहीं अत्यधिक वर्षा हो रही है तो कहीं लंबे समय तक सूखे जैसी स्थिति बनी रहती है. ऐसे में केवल मानसून के भरोसे भविष्य की योजना बनाना पर्याप्त नहीं होगा.

आवश्यकता इस बात की है कि जल संरक्षण को विकास नीति का केंद्रीय विषय बनाया जाए. वर्षा जल संचयन को अनिवार्य रूप से लागू किया जाए, तालाबों और पारंपरिक जल स्रोतों का पुनर्जीवन किया जाए, भूजल पुनर्भरण की योजनाओं को गति दी जाए और कृषि क्षेत्र में सूक्ष्म सिंचाई तकनीकों को बढ़ावा दिया जाए. शहरी क्षेत्रों में पानी की बर्बादी रोकने तथा जल पुनर्चक्रण की व्यवस्था को भी प्राथमिकता देनी होगी.

जल संकट की यह चेतावनी समय रहते भविष्य की तैयारी करने का अवसर भी है. मानसून राहत दे सकता है, लेकिन स्थायी समाधान केवल सुनियोजित जल प्रबंधन और संरक्षण से ही संभव है. पानी को संसाधन नहीं, बल्कि राष्ट्रीय संपदा मानकर उसके उपयोग और संरक्षण की संस्कृति विकसित करनी होगी. आज उठाए गए कदम ही आने वाली पीढ़ियों की जल सुरक्षा सुनिश्चित करेंगे.

भारत ने खाड़ी देश में अवसरों के द्वार खोले

पीयूष गोयल

> विकसित देशों के साथ व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करने की मोदी सरकार की पहल प्रत्येक भारतीय के जीवन को बेहतर बनाने के प्रधानमंत्री के मिशन का हिस्सा है. ओमान के साथ समझौता याद दिलाता है कि व्यापार; विकास, रोजगार सृजन और साझा समृद्धि का एक शक्तिशाली उपकरण है. एक विभाजित और संरक्षणवादी दुनिया में, पीएम मोदी स्पष्ट संदेश दे रहे हैं कि एक नया, आत्मविश्वासी भारत पीछे नहीं हटेगा. यह साझेदारियों, प्रतिस्पर्धा और वैश्विक सहभागिता के माध्यम से आगे बढ़ेगा.

1 जून से लागू हो रहा भारत-ओमान मुक्त व्यापार समझौता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उस मिशन की एक निर्णायक उपलब्धि है, जिसका लक्ष्य नए बाजार खोलने और रोजगार सृजन को गति देने के जरिये भारत के छात्रों, कारीगरों, महिलाओं, किसानों, मछुआरों और एमएसएमई के लिए वैश्विक समृद्धि के मार्ग बनाना है. भारत और ओमान के बीच गहरे आर्थिक संबंध हैं और लोगों के आपसी संबंध प्रगा? हैं. ओमान में लगभग 7 लाख भारतीय रहते हैं, जिनमें वे व्यापारी परिवार भी शामिल हैं, जिनकी जड़ें 200-300 साल पुरानी हैं. ओमान से भारत को भेजी जाने वाली वार्षिक धनराशि लगभग 2 बिलियन डॉलर है, जबकि देश में 6,000 से अधिक भारतीय उद्यम कार्यरत हैं.

दोनों देशों के बीच व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौता (सीईपीए) आर्थिक और रणनीतिक संबंधों को महत्वपूर्ण रूप से सुदृ? करता है. यह तुरंत ही ओमान में 98त्न टैरिफ लाइनों के लिए 100 प्रतिशत शुल्क मुक्त बाजार पहुंच की सुविधा देता है, जिसमें 99.38 प्रतिशत निर्यात शामिल है।

यह सीईपीए से पहले की प्रणाली की तुलना में एक उल्लेखनीय सुधार को दर्शाता है. पहले की प्रणाली में केवल 15.3 प्रतिशत भारतीय निर्यात ओमान में शून्य शुल्क के साथ प्रवेश कर सकते थे. भारत की ऐसी वस्तुएं, जिन पर वर्तमान में ओमान में 5 प्रतिशत आयात शुल्क लगता है और जिनकी कीमत लगभग 3.64 बिलियन डॉलर के निर्यात के बराबर है, अब काफी अधिक प्रतिस्पर्धी हो जाएंगी। भारत के एमएसएमई क्षेत्र के लिए, यह समझौता परिवर्तनकारी हो सकता है, क्योंकि सीईपीए से लाभान्वित होने वाले कई क्षेत्रों में छोटे व्यवसायों की प्रमुखता है. लोहा और इस्पात, वस्त्र, चमड़ा, वाहन कल-पुर्जे और औद्योगिक उपकरण जैसे कुछ क्षेत्रों में एमएसएमई को बड़े अंतरराष्ट्रीय ऑर्डर मिलने की उम्मीद है, जिससे उत्पादन, निवेश और रोजगार को बढ़ावा मिलेगा।

बढ़ती वैश्विक अस्थिरता के युग में, सीईपीए भारतीय निर्यातकों को, जो आर्थिक मंदी और बढ़ते व्यापार बाधाओं का सामना कर रहे हैं, अपने बाजारों को विविध बनाने और परंपरागत बाजारों पर निर्भरता कम करने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है. रोज़गार सृजन ङ्क यह व्यापार समझौता श्रम-गहन क्षेत्रों जैसे वस्त्र और परिधान, चमड़ा और जूते, खाद्य प्रसंस्करण, समुद्री उत्पाद, रत्न और आभूषण और कुछ इंजीनियरिंग क्षेत्रों को लाभ पहुँचाता है, जो भारत के प्रमुख रोजगार प्रदाता हैं.

ओमान को होने वाले वस्त्र निर्यात में वृद्धि से उत्पादन में बढ़ोतरी होगी और तिरुपुर, सूरत, लुधियाना, पानीपत, कोयंबटूर, करूर, भदोही, मुरादाबाद, जयपुर और अहमदाबाद जैसे प्रमुख क्लस्टर में रोजगार के अवसरों का सृजन होगा. भारत भर के कारीगर और बुनकर भी अपने उत्पादों की उच्च अंतरराष्ट्रीय मांग से लाभान्वित होंगे. भारत भर में, विशेष रूप से तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल में, साथ ही महाराष्ट्र, पंजाब, कर्नाटक और मध्य प्रदेश के कुछ हिस्सों समेत चमड़ा और जूता के प्रमुख केंद्रों में भी रोजगार के अवसर सृजित होंगे. रत्न और आभूषण क्षेत्र एक अन्य उदाहरण है, जो दिखाता है कि सीईपीए रोजगार वृद्धि को किस प्रकार तेज करेगा. भारत के पास पहले से ही कटे और पॉलिश किए हुए हीरे, सोने और चांदी के आभूषण तथा हस्तनिर्मित आभूषण उत्पादन में मजबूत क्षमताएं हैं. शुल्क बाधाओं के हटने से, भारतीय निर्यातकों को यूरोपीय और एशियाई प्रतिस्पर्धियों पर निर्णायक बढ़त मिलेगी. उद्योग जगत का अनुमान है कि अगले तीन वर्षों में ओमान को होने वाला निर्यात बढ़ कर 150 मिलियन डॉलर तक हो सकता है. इससे पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, राजस्थान और गुजरात के आभूषण निर्माण केन्द्रों में महत्वपूर्ण रोजगार संभावनाएं सृजित होने की उम्मीद है. किसान और मछुआरे - घरेलू किसानों और संवेदनशील कृषि हितों की सुरक्षा के लिए, भारत ने गेहूं, चावल, मक्का, मोटे अनाज, डेयरी, फल, सब्जियां, खाद्य तेल, तिलहन, चाय, कॉफी और शहद जैसे प्रमुख उत्पादों पर कोई टैरीफ छूट नहीं दी है.

घी, शहद, मीठे बिस्कुट, अंडे और कुछ मिष्ठान्न उत्पादों में भारत को प्रतिद्वंद्वियों पर प्रतिस्पर्धात्मक लाभ मिलेगा, जिससे देश के कृषि उत्पादों की मांग बढ़ेगी और ग्रामीण आय में वृद्धि होगी. यह समझौता भारत के राष्ट्रीय जैविक उत्पादन कार्यक्रम (एनपीओपी) प्रमाणन की स्वीकृति और मान्यता भी प्रदान करता है, जो भारतीय किसानों को ओमान में, जो एक प्रमुख खाद्य आयातक है, जैविक उत्पाद बेचने के लिए विशाल अवसर देगा.

(लेखक केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री हैं.)

मालवा- निमाड़ की डायरी

पटवारी, सिंघार, यादव को हर हाल सीट निकालने का जिम्मा

संजय व्यास

आशंका-कुशंका के बीच इस राज्य सभा चुनाव में कांग्रेस की साख दांव पर लगी हुई है. विधायकों के वोट समीकरण के हिसाब से 3 में से एक सीट कांग्रेस को स्पष्ट तौर पर जाती दिख रही है. उसे सीट निकालने के लिए 58 वोट की जरूरत है और उसके पास 64 विधायक है. इसमें से एक विधायक के प्रकरण में सर्वोच्च न्यायालय ने मताधिकार पर अंतिम निराकरण तक रोक लगा रखी है. न्यायालय से 3 साल की सजा होने से एक की विधायकी समाप्त हो चुकी है. एक पर दलबदल मामला विचाराधीन चलते स्थिति डांवाडोल है. ऐसे में क्रास वोटिंग का डर समाए कांग्रेस के लिए सीट निकालना प्रतिष्ठा का सवाल बन गया है. वह बीते समय उड़ीसा, हरियाणा, बिहार में क्रास वोटिंग का दंश झेल चुकि है. उसे आशंका है कि भाजपा तीसरी सीट पर प्रत्याशी उतार जोड़-तोड़ कर उसका खेल बिगाडऩे की कोशिश कर सकती है.

तीसरी सीट के लिए भाजपा के पास 48 वोट बच रहे होंगे. वह अतिरिक्त 10 वोट पाने कांग्रेस विधयकों में सेंध लगा सकती है. इसीलिए पार्टी हाईकमान ने जीतू पटवारी, उमंग सिंघार, अरुण यादव को दिल्ली बुलाकर पार्टी विधायकों में एकजुटता बनाए रखने का जिम्मा सौंप दिया है. उन्हें कह दिया गया कि टिकट किसी को भी मिले, राज्य सभा की यह सीट किसी भी हालत में खोना नहीं चाहिए. सभी विधायकों से सतत संपर्क और गतिविधियों पर नजर रखें. साथ ही शत-प्रतिशत कांग्रेस विधायकों का पार्टी प्रत्याशी के पक्ष में मतदान हो.

आदिवासियों को अपना बनाए रखने की जुगत

कांग्रेस को क्रास वोटिंग का खुटका जयस से जुड़े कांग्रेसी विधायकों से है. उनकी समान नागरिकता से परे रखने की बात विगत दिनों केन्द्र की भाजपा लरकार ने मान ली है. इसके बाद से जयस से जुड़े इन नेताओं का भाजपा के प्रति रवैया नरम दिखाई दे रहा है. इसी कारण विशेष सतर्कता बरतते हुए आदिवासी वर्ग को अपने से जोड़े रखने के लिए कांग्रेस एक नरेटिव गढऩे में लगी है. प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, अरुण यादव, आदिवासी कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष विक्रांत भूरिया ने भाजपा के आदिवासियों को वनवासी कहे जाने को मुद्दा बना लिया है और उसे भाजपा की आदिवासियों के खिलाफ मंशा के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है. वह नरेटिव गड़ रही है कि आदिवासी समाज की अपनी अलग पहचान, संस्कृति और गौरवशाली इतिहास को भाजपा बदलने पर तुली है. आदिवासियों को वनवासी कहकर उनकी पहचान को कमजोर करने का प्रयास किया जा रहा है. इस नरेटिव से आदिवासी कितने प्रभावित होते हैं, समय बताएगा.

क्या तीसरी सीट पर विजयवर्गीय को उतारेगी भाजपा?

राज्य सभा की 3 सीटों के लिए चुनावी प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है. 8 जून तक नामांकन दाखिल होना है. 2-3 दिन में भाजपा प्रत्याशियों की घोषणा कर देगी. सूत्रों के मुताबिक, प्रदेश भाजपा ने संभावित उम्मीदवारों की सूची केंद्रीय नेतृत्व को भेज दी है. चर्चा है कि भाजपा के वरिष्ठ नेता और मंत्री कैलाश विजयवर्गीय का नाम दावेदारों में प्रमुखता से शामिल है माना जा रहा है कि राज्यसभा के जरिए उनकी राष्ट्रीय राजनीति में वापसी हो सकती है. लेकिन विजयवर्गीय की मंशा इसके लिए खुलकर सामने नहीं आई है. उनके अस्पष्टता के रुख की वजह यह भी बताई जाती है कि उन्होंने प्रत्याशी के तौर पर अपने खास राऊ के पूर्व विधायक जीतू जिराती का नाम आगे बढ़ाया है. खैर निर्णय दिल्ली के हाथ है. वैसे यह भी बताया जा रहा है कि अगर जीत की संभावना नजर आती है तो कांग्रेस को जाती दिख रही तीसरी सीट पर कैलाश विजयवर्गीय को उतारा जा सकता है, क्योंकि उनका रणनीतिक कौशल परिस्थिति और पासा पलटने में माहिर है. देखते हैं दिल्ली भाजपा नेतृत्व क्या निर्णय लेता है.

क्षेत्रीय की तुलना में राष्ट्रीय दल फायदे में

विगत कुछ वर्षों से क्षेत्रीय दलों को मिलने वाले चंदे में कमी आई है जबकि राष्ट्रीय स्तर की पार्टियों को अधिक चंदा दिया जाने लगा है. इसकी वजह साफ है. उद्योग समूह जानते हैं कि आज आधारभूत ढांचे, ऊर्जा, दूरसंचार, रक्षा व प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में महत्वपूर्ण और बड़े निर्णय केंद्रीय स्तर पर लिए जाते हैं. जीएसटी कर प्रणाली का निर्धारण भी केंद्र सरकार के हाथों में है. इन बातों को देखते हुए क्षेत्रीय या राज्यस्तरीय पार्टियों को मिलने वाली चंदे की रकम अब राष्ट्रीय स्तर की पार्टियों को दी जाने लगी है. ऐसा करना राजनीतिक ही नहीं, आर्थिक दृष्टि से उद्योगों के लिए लाभदायक है. क्षेत्रीय पार्टियों का नेतृत्व एक ही परिवार के हाथों में देखा जाता है. निधि जमा करने की उनकी प्रक्रिया व्यावसायिक या तकनीकी दृष्टि से सक्षम नहीं है. नई पीढ़ी के दानदाता डिजिटल व पारदर्शक प्रणाली से चंदा देना पसंद करते हैं. राष्ट्रीय स्तर की पार्टियों ने क्राउड फंडिंग जैसी नई प्रणाली शुरू की है, जो क्षेत्रीय पार्टियों में नहीं है. चुनाव आयोग की रिपोर्ट के अनुसार कुछ प्रमुख राष्ट्रीय पार्टियों की आय में 15 से 25 प्रतिशत की वृद्धि हुई है जबकि क्षेत्रीय या राज्यस्तरीय पार्टियों की चंदे से होने वाली आय में 10 से 30 प्रतिशत की कमी आई है. क्षेत्रीय पार्टियां राज्य के प्रमुख मुद्दों को उठाने का माध्यम होती हैं. यदि आर्थिक शक्ति राष्ट्रीय पार्टियों में केंद्रित हो गई, तो राज्यों की आवाज दब जाएगी.

महाराष्ट्र, तमिलनाडु, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, बिहार, ओडिशा व बंगाल में क्षेत्रीय दल हैं, जो कमजोर होते चले जा रहे हैं. इसका भारतीय लोकतंत्र पर दूरगामी परिणाम हो सकता है. ऐसा लगता है कि उद्योग जगत को क्षेत्रीय की बजाय राष्ट्रीय पार्टियों से लगाव बढ़ रहा है, जो उनके हित पूरे कर सकती हैं. बड़ी राष्ट्रीय पार्टियों का निर्णय सुसंगत व शीघ्रता से होता है. अधिकांश क्लीयरेंस व मंजूरियां दिल्ली में ही मिलती हैं. इसलिए उद्योग जगत सोचता है कि क्षेत्रीय दल उन्हें क्या देने वाले हैं, जो कि खुद ही अपने अस्तित्व के लिए जूझ रहे हैं.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

निशानेबाज

बढ़ी जवान रहने की चाह ट्रंप-पुतिन विज्ञान की राह

पड़ोसी ने हमसे कहा, 'निशानेबाज, हमने शेर सुना था- उमर-ए-दराज मांग कर लाए थे चार दिन, दो आरजू में कट गए, दो इंतजार में!'

हमने कहा, 'शेर को जंगल में ही रहने दीजिए. जहां तक उम्र का सवाल है, ट्रंप और पुतिन जैसे नेता खुद को जवान रखने और अपनी उम्र बढ़ाने के लिए विज्ञान का सहारा ले रहे हैं. व्हाइट हाउस ने ट्रंप का 3 पेज का मेडिकल मेमो जारी किया, जिसमें कहा गया है कि 14 जून को 80 वर्ष के होने जा रहे ट्रंप का दिल 66 वर्ष के व्यक्ति जितना स्वस्थ है. वह किसी युवा के समान चुस्त-दुरुस्त हैं. उन्हें ऐसी दवाएं दी जा रही हैं जिनसे कोलेस्ट्रोल कम होता है. उन्हें स्वास्थ्यवर्धक खाना खाने और व्यायाम कर वजन घटाने की सलाह दी गई है. जहां तक रूस के राष्ट्रपति पुतिन का मामला है, वह अमर होना चाहते हैं और जीन थेरेपी से बुढ़ापा रोकेंगे. 73 साल के पुतिन का 2.15 लाख करोड़ रुपए का अमरत्व प्रोजेक्ट है. उन्होंने पिछले साल चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से कहा था कि इंसान अपने खराब अंगों को बदलकर अमरता

हासिल कर सकता है. रूसी वैज्ञानिक इस दिशा में काम कर रहे हैं. पुतिन अपने को जवान रखने के लिए क्रायोथेरेपी इस्तेमाल करते हैं. इसके लिए वह माइनस 112 डिग्री ठंडे पानी के चेंबर में बिना कपड़ों के खड़े हो जाते हैं. वह बछड़ों के टिशु से बनी पेप्डाडाइस का इंजेक्शन भी लेते हैं.'

पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, हिरण्यकश्यप और रावण भी खुद को अमर मानते थे लेकिन काल ने उन्हें भी नहीं छोड़ा. जिंदगी सार्थक होनी चाहिए, लंबी नहीं! व्हेल मछली, कछुए, मगरमच्छ भी 100 वर्ष या ज्यादा उम्र तक जिंदा रहते हैं. ज्यादा जीने और जवान बने रहने की इतनी लालसा क्यों होनी चाहिए? राजा भतृहरी को एक साधू ने ऐसा फल दिया जिसे खाकर व्यक्ति अमर हो सकता था. राजा ने अपनी प्राणप्रिया रानी को वह फल दे दिया. रानी ने खुद फल न खाकर अपने यार (आशिक) को दिया. आशिक ने वह फल ले जाकर वेश्या को दिया. वेश्या को लगा कि राजा सबका पालक है उसको जवान और अमर रहना चाहिए इसलिए वेश्या ने वही फल राजा को लाकर दिया. राजा पूरी बात समझ गए. उन्होंने कहा- तृष्णा न जीर्णा, वयमेव जीर्णा। उम्र कितनी भी बढ़ जाए, भोगविलास की लालसा या तृष्णा कम नहीं होती.'

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 12276
- डॉ. सागर खादीवाला

1		2	3	■	4	5	6
	■	7			■	8	
9	10	■		■	11		■
■		■	12	13	■	14	15
16			■	17	18	■	
	■	■	19			20	
21		22	■	■	■	23	
	■	24				■	

बाएं से दाएं
1. बच्चों को प्यार करना, लाड़-चाव करना 4. अवसर, प्रकरण, बात, विषय (सं.) 7. उपद्रव, दंगा, फसाद 8. वर्ष 9. सुर्ख, माणिक, रक्त के रंग का 11. महक, वास, सुगंध 12. बार, धारा, दूर हटाना 14. आर्द्र, गीला 16. नमस्कार 17. एक पैगंबर जिनकी कश्ती तूफान से बच गई थी 19. छटपटाना, घबराना 21. एक नेत्र रोग जिसमें रात के समय दिखाई नहीं देता 23. मदिरा 24. उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री

ऊपर से नीचे
1. दोहरी ऊनी चादर 2. ईश्वर, परमेश्वर, 3. घोड़े की टाप में नाल लगाने वाला व्यक्ति 5. अच्छी तरह पूरा करना, आयोजन 6. गला, कंठ (सं.) 10. सामान्य अर्थ से भिन्न अर्थ देने वाली शब्दशक्ति 13. कंदील, मोमबत्ती जलाने का गिलास, छत में लटकाने के झाड़ 15. नायकों में प्रमुख 16. फैलाव, ब्रॉडकास्टिंग (सं.) 18. 'मैं' का बहुवचन 20. चार वेदों में से तीसरा वेद 22. कम वेग वाला, सुस्त

Solution 12275

र	स	भ	री	■	टं	का	र
स	फ	■	झ	प	की	■	ण
नी	र	■	ना	र	■	रा	नी
य	■	ब	■	म	■	म	ति
■	फ	ड़	न	वी	स	■	■
त	ल	ब	■	र	च	यि	ता
र	■	ड़ा	■	च	■	■	ड़
स	ज	ना	■	क्र	मां	क	■

ज्योतिषाचार्य पंडित प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में नवीन कार्यों में रूचि एवं सफलता प्राप्त होगी, व्यापार व्यवसाय में लाभ होगा, वर्ष के मध्य में सत्ता सुख प्राप्त होगा, स्थाई लाभ का योग है, वर्ष के अन्त में माता पिता के कमजोर स्वास्थ्य की चिन्ता रहेगी, अत्याधिक परिश्रम के बाद सफलता मिलेगी, अधिकारी वर्ग से मतभेद हो सकता है.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को माता पिता के कमजोर स्वास्थ्य से मन अशांत रहेगा, वृष और तुला राशि के व्यक्तियों को अत्याधिक परिश्रम से सफलता मिलेगी, कर्क राशि के व्यक्तियों को स्थाई लाभ का मार्ग प्रशस्त होगा, सिंह राशि के व्यक्तियों को सत्ता पक्ष से सुख मिलेगा, मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को अधिकारों में वृद्धि होगी, मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को मतभेद हो सकता हे, धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को परिश्रम अधिक करना होगा.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक सुन्दर, सुशील, होशियार होगा, विचार सुलझे रहेंगे, परिश्रमी और आत्म ज्ञानी होगा. माता पिता को जीवन में सुखी रखेगा. मनोरंजन का शौकीन होगा. जन्म स्थान से दूर उन्नति करेगा.

उदयकालीन ग्रह चाल

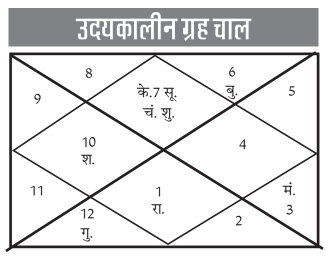

पंचांग

रा.मि. 12 संवत् 2083 अधिक ज्येष्ठ कृष्ण द्वितीया भौमवासरे शाम 5/4, मूल नक्षत्रे रात 8/49, साध्य योगे प्रात: 6/40, गर करणे सू.उ. 5/16, सू.अ. 6/44, चन्द्रचार धनु, शु.रा. 9, 11, 12, 3, 5, 7 अ.रा. 10, 1, 2, 4, 6, 8 शुभांक- 2, 4, 8.

व्यापार भविष्य

अधिक ज्येष्ठ कृष्ण द्वितीया को मूल नक्षत्र के प्रभाव से जीरा, धनियां, सौंप, अजवाईन, आदि किराना वस्तुओं में नरमी होगी, गेहूँ, जौ, चना, बाजरा, में कुछ नरमी होगी, गुड, खांड़, शक्कर, के भाव में समता रहेगी. चांदी में कल की चाल चलेगी. भाग्यांक 2585 है.

मेष- धर्म में आस्था बढेगी, झूठ बोलकर आप स्वयं उलझन में पड़ जायेंगे, आर्थिक संतुलन बना रहेगा, रोजी रोजगार के कार्यो में किया गया प्रयास सफल होगा.

वृषभ- आपके सामने कई विकल्प रहेंगे, उचित विकल्प के लिये किसी बुजुर्ग की सलाह लें, बांधव सुख मिलेगा, मनोरंजन आदि के कार्यो में खर्च होगा.

मिथुन- विरोधियों से अपनी बात मनवाने के लिये कूट नीति से काम लेना पड़ेगा, परिश्रम की अधिकता रहेगी, अनपेक्षित कार्यो में यश मिलेगा, उदर कष्ट हो सकता है.

कर्क- बड़ी योजना पर काम करने के लिये व्यापक प्रयास करना पडेंगे, आर्थिक कार्यों में बाधा दूर होगी, पारिवारिक सुख शांति रहेगी, आयके साधनों में वृद्धि होगी.

सिंह- बड़ी सफलता के लिये व्यापक प्रयास करना पडेंगे, आर्थिक कार्यो में आने वाली बाधा दूर होगी, पारिवारिक सुख शांति रहेगी, आय के साधनों मेंवृद्धि होगी.

कन्या- जिद में आकर बड़ा जोखिम उठा सकते हैं, कारोबार में पूंजी निवेश के अच्छे परिणाम मिलेंगे, सुखद अनुभवों की प्राप्ति होगी.

तुला- जिन्हे आप दिल से चाहते हैं, उनके लिये आप कुछ भी करने तैयार हो जायेंगे, यात्रा सुखद एवं लाभदायक रहेगी, जमीन जायजाद से लाभ मिलेगा.

वृश्चिक- बुजुर्गो के स्वास्थ्य की चिन्ता रहेगी, वैभव विलासिता पर खर्च होगा, अकारण तनाव को टालें, नवीन योजनाओं में व्यवधान आ सकता है.

धनु- कार्यस्थल पर सहकर्मियों से संबंध सुधारने का प्रयास सफल होगा, मांगलिक कार्यो की पूर्ति होगी, निजी मामलों में बुजुर्गो की सलाह हितकर रहेगी.

मकर- किसी की आर्थिक जिम्मेदारी न लें, पूरी नहीं होगी. पारिवारिक आनन्दोत्सव बना रहेगा, किये गये प्रयासों का लाभ प्राप्त होगा, विवादों को टालें, शुभ संदेश मिलेगा.

कुम्भ- टकराव के कारण साझेदारी का कार्य छोड़ना पड़ सकता है, आर्थिक संतुलन बना रहेगा, रोजी रोजगार का कार्य संतोषजनक रहेगा, शुभ सूचना प्राप्त होगी.

मीन- भावी योजनायें बनाते हुये आगे बढ़ें, सफलता आपकी राह देख रही है, धार्मिक कार्य बनेंगे, स्वास्थ्य अनुकूल रहेगा, मनोरंजन आदि पर खर्च होगा.

SUDOKU 7408

2						5		
	1			8				9
7					4			
			9			1		
	3						6	
		8			5			
			3					8
5				6			2	
		4						7

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-दोकू 7407

2	3	6	8	5	1	4	9	7
9	4	5	7	6	3	8	2	1
1	7	8	2	9	4	6	5	3
3	1	9	6	7	2	5	4	8
5	6	2	1	4	8	3	7	9
7	8	4	5	3	9	1	6	2
4	9	1	3	2	5	7	8	6
8	2	7	4	1	6	9	3	5
6	5	3	9	8	7	2	1	4